Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Answer Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—8504

PAPER—II

KONKANI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page and also on the Answer Sheet given inside this booklet.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर तथा इस पुस्तिका के अन्दर दिये गये उत्तर पत्रक पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

KONKANI

कोंकणी

PAPER – II

प्रश्नपत्र – II

सुचोवण्यो :

(1) दर एका प्रश्नाची जाप कुशीक दिल्ल्या (A), (B), (C), (D) ह्या अक्षरांतल्या फावो त्या अक्षरांत दिंवची.

(2) दर एका प्रश्नाचे सारके जापेक दोन गुण दवरल्यात

(3) सगळ्या प्रश्नांच्यो जापो दिंवच्यो

1. कोंकणी अभंग काव्याचे पयले नमुने कोणे रचले?

(A) संत आवडा बाय (B) संत नामदेव

(C) संत सहजानंद (D) संत सोहिरोबानाथ

2. 'सोलिलोकिश दिविनुश' ह्या ग्रंथाच्या कोंकणी अणकाराचें नांव कितें?

(A) 'वनवाळ्याचो मळो' (B) 'रीगलो जेझु मळ्यांत'

(C) 'देवाची एकांग्र बोलणी' (D) 'पुर्गातोरीची ससारीटिका'

3. मों. सेबेश्तियांव दाल्गाद हाणें खंयच्या मोडींत शब्दकोश रचलो?

(A) अंत्रुजी (B) साश्टी (C) कारवारी (D) बारदेशी

4. कृष्णदास शामा हाणें खंयच्या म्हाकाव्याचो कोंकणीत रूपकार केलो?

(A) रामायण (B) म्हाभारत (C) श्रीकृष्णचरितम् (D) एव आनी मरी

5. 'नवयुग' हें भौभाशी नेमाळें खंयच्यान उजवाडाक येतालें?

(A) कारवार (B) बंगळूर (C) मंगळूर (D) मुंबय

6. 'कोंकणी विश्वकोश' ह्या पयल्या कोंकणी विश्वकोशाचो हांतलो मुखेल संपादपी कोण?

(A) दो. ओ. जे. एफ्. गॉमिश् (B) दो. पांडुरंग फळदेसाय.

(C) दो. तानाजी हळर्णकार (D) दो भिकाजी घाणेकार

7. कार्ल मार्क्स हाणें साहित्याचो अभ्यास खंयच्या नदरेन केलो?

(A) इतिहासीक नदरेन (B) सौंदर्यवादी नदरेन

(C) मनोविश्लेशणात्मक नदरेन (D) सामाजीक नदरेन

8. कारकार्थ म्हळ्यार–

(A) क्रियापदाबगर नामाचो हेर शब्दांकडेन आयिल्लो संबंद.

(B) क्रियापद आनी वाच्यार्थ हांचो एकमेकांकडेन आयिल्लो संबंद.

(C) क्रियापद आनी क्रियाविशेषण हांचो आयिल्लो संबंद

(D) हांतूतलो खंयचोच न्हय.

9. थळ पुराणां खंयच्या राज्यांतल्या देवळांनी आसात अशें म्हणटात?

(A) महाराष्ट्र (B) केरळ (C) कर्नाटक (D) आंध्र प्रदेश

10. हाचेमदली खंयची कृती नाट्यकृती न्हय?

(A) 'आंदळो मागता एक दोळो' (B) 'कर्णपर्व'

(C) 'अंतर आयामी' (D) 'एक हजार आनी तेअीस'

11. हांतुतली फावो ती जोडी वेंचात

(A) विळाप गीत – चली घोवाल्या घरा वतना म्हणपाचे गीत.

(B) दुलपद – धुळवडीच्या वेळार म्हणपाचे कवन.

(C) चौरंग – शिगम्याच्या वेळार म्हणपाचें गीत.

(D) धालो – भुरग्यांक धोलोवपाचें गीत.

12. तारखेसयत बरोवपी आनी कृती हांची फावो ती जोडी वेंचात.

(A) 1987 – शंकर रामाणी – 'जोगलांचे झाड'

(B) 1991 – शंकर भांडारी – 'कयपंजी'

(C) 1930 – रमेश वेळुस्कर – 'सावुलगोरी'

(D) 1988 – सुरेश आमोणकार – 'गीता प्रवचनां'

13. घडणूक आनी सुवात हांचेमदीं फावो तो संबंद दाखोवपी जोडी वेंचात.

(A) सुनितिकुमार चटर्जी हांकां कोंकणी परिशदेचो अध्यक्ष नेमलो – मुंबय.

(B) दो. लोहिया हांचे 1946 तलें जाहीर भाशण – मडगांव.

(C) कोंकणी प्रजेच्या आवाजाची थापणूक – कालिकत.

(D) अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेची स्थापना – मंगळूर.

14. बरोवपी आनी साहित्य प्रकार हांचो फावोसो मेळ घालात.

(A) हेमा नायक – कवित

(B) बोवेंतुर पियेत्रु – साहित्याचो इतिहास

(C) तोमाझिन कार्दोझ – तियात्र

(D) चंद्रकान्त केणी – चरित्र

15. संपादक आनी तांणी संपादलेली कृती हांचो मेळ घालात.

(a)	मनोहरराय सरदेसाय	i.	'स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कथा'
(b)	चंद्रकांत केणी	ii.	'स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कविता'
(c)	अ. ना. म्हांबरो	iii.	'कोंकणी काव्यसंग्रह'
(d)	बाकीबाब बोरकार	iv.	'तीन दसकां'

(A) a-iii, b-ii, c-iv, d-i

(B) a-iv, b-iii, c-ii, d-i

(C) a-i, b-iv, c-ii, d-iii

(D) a-iii, b-iv, c-i, d-ii

16. कोंकणीतली अणकारीत कृती आनी मूळ कृती हांची फावो तो जीडी वेंचात.

(A) भगवान बुद्ध – व्हडवीक.

(B) राजा चंद्रहास – रिचर्ड III

(C) दोळ्यांतलें किशीर – विकार ऑफ वेकफील्ड.

(D) भारताचो दिश्टावो – ॲनिमल फार्म

17. 'वास्कोयन' ही साहित्यकृती हांतल्या खंयच्या साहित्य प्रकारांत आसपावता?

(A) दीर्घ कविता (B) भाव कविता (C) खंडकाव्य (D) गीति काव्य

18. हांतुतले खंयचे पुरस्कार कोंकणी बरोवप्यांक मेळ्ळ्यात?

(A) नोबेल (B) सरस्वती सन्मान (C) कालिदास पुरस्कार (D) एकूय ना

19. साहित्य अकादमी पुरस्कार मेळिल्ल्या बरोवप्यांचो योग्य क्रम लायात.

(A) जे.बी. मोरायश. मीना काकोडकार, नागेश करमली, र.वि. पंडित

(B) र.वि. पंडित, जे.बी. मोरायश, मीना काकोडकार, नागेश करमली

(C) र.वि. पंडिंत, मीना काकोडकार, नागेश करमली, जे.बी. मोरायश.

(D) मीना काकोडकार, र.वि. पंडित, जे.बी. मोरायश, नागेश करमली.

20. सकयल दिल्लें विधान पूर्ण करुंक फावो तो पर्याय वेंचात इ.स. 1916 च्या प्रांतिक सभेंत कोंकणी भाशेंतल्यान मुळाव्या पांवड्याचेर शिकोवपाची थारावणी करुनय तशें जांवक पावलें ना कित्याक –

(A) कोंकणी शिकोवपाक तेन्ना योग्य शिक्षक नाशिल्ले.

(B) कोंकणी शिकपाक कोणच मुखार आयले नात.

(C) तिचे विरोधी ती थारावणी खरेपणांत हाडपाक कशेच दिनासले.

(D) सरकाराकडेन तशो शाळा उबारपाखातीर दुडवांची येवजण नाशिल्ली.

21. प्रकाशनाच्या वर्साप्रमाण सकयल दिल्ल्या प्रकाशनांच्या नांवाचो क्रम लायात.

(A) गोमंतोपनिषद्, आंजेल, गांथन, पाखलो.

(B) आंजेल, गोमंतोपनिषद् , गांथन, पाखलो.

(C) पाखलो, आंजेल, गोमंतोपनिषद्, गांथन.

(D) गांथन, गोमंतोपनिषद्, पाखलो, आंजेल.

22. हांतूतली खंयची जोडी योग्य आसा?

	I		II
(a)	सगळ्या वरुसाचे वांजेल	i.	क्रिस्त शिकोवणेची धर्मतत्त्वां.
(b)	फ्लोस सांक्तोरुम	ii.	बायबलाच्या नव्या कराराचेर आदारित बरप.
(c)	दौत्रीन क्रिस्ता	iii.	क्रिस्तान सोंशिल्या कश्टांचेर रचिल्यें काव्य.
(d)	रीगलो जेझ् मळ्यांत.	iv.	खंडकाव्यासारकेली धर्मीक रचना.
		v.	संताच्या जीणेचेर आदारित काव्य.

(A) a-ii, b-v, c-i, d-iii

(B) a-i, b-iii, c-iv, d-v

(C) a-ii, b-i, c-iii, d-v

(D) a-iv, b-ii, c-v, d-i

23. साहित्य अकादमीचो पुरस्कार फावो जांवक नाशिल्ली हांतली बायल बरोवपी खंयची?

(A) जयमाला दणायत (B) शीला कोळंबकार (C) मीना काकोडकार (D) हेमा नायक

24. सकयल दिल्लें खंयचे विधान बरोबर आसा?

(A) 'देमांद आनी देमांदिस्त' हो लेख र.वि. पंडित हाणें बरयला.

(B) 'पुतिफाराची बायल' ही रचना फा. मोरेन सौझ हाणें रचल्या.

(C) 'हुंदराची सभा, लोकशाय आनी आयलो पोल' ह्यो कविता उपहास पर्गटायतात.

(D) 'हुंदराची सभा, लोकशाय आनी आयलो पोल' ह्यो अ.ना. म्हांबरे हांच्यो रचना आसात.

25. सकयल दिल्लें खंयचें विधान चूक आसा?

(A) 'निळें निळें ब्रह्म' ही रचनाकृती शंकर रामाणीन बरयल्या.

(B) 'गवेत उगते जायना' ही नाट्यकृती अ.ना. म्हांबरेन बरयल्या.

(C) हेमा पुंडलीक नायक हांची 'रुपडी' कथा 'स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कथा' हांतूत उजवाडून आयल्या.

(D) अभिजीत म्हळ्यार वामन सरदेसाय हांगेलें काव्यनाव.

26. सकयल दिल्ल्या खंयच्या गटातली सगळी पुस्तकां निबंद ह्या संज्ञेक फावतात?

(A) 'पणजी आता म्हातारी जाल्या', 'वेळेवेल्यो धुलो', 'कवासो', 'पावलां कणकणी'

(B) 'मेरेवेलो गांवकार', 'पावलां कणकणी', 'मुक्तताय', 'मदलो पूत'

(C) 'पणजी आता म्हातारी जाल्या', 'मेरेवेलो गांवकार', 'पावलां कणकणीं', 'मान्नी पुनव'

(D) 'ब्रम्हांडाचें तांडव', 'वोवळां', 'मेरेवेलो गांवकार', 'पावलां कणकणीं'

27. (I) येवरोपांतल्यान हाडिल्ल्या धर्माची पाळांमुळां कोंकण देसांत घट धरची म्हूण त्या धर्मप्रसारकांनी थळाव्या भासांचो पाळो धल्लो.

(II) गोंयात कांय किरिस्तांवानी पोर्तुगीज भास साहित्यिक भास म्हुण आपणायली.

(A) वेल्यातलें पयलें विधान सत आनी दूसरें विधान असत आसा.

(B) वेलीं दोन्य विधानां सत आसात.

(C) वेल्यातलें पयलें विधान असत आनी दुसरें विधान सत आसा.

(D) वेलीं दोन्य विधानां असत आसात.

28. हांतूतली खंयची विधानां बरोबर आसात?

(a) 'पाशावांचें गीत' दुखेस्त कोंकणी काव्याचो अप्रूप नमुनो मानतात.

(b) कोंकणीत आपजीणेचे बरवप सगळ्यांत चड जालां

(c) 'आमकां कोंकण्यांक आमगेले भाशेचो मोटो अभिमान दिसूंक फावो' अशे शणै गोंयबाब सांगताले.

(d) 'बांगर बैल' कवितेंतल्यान कवीन सगळ्यांक बैल म्हळां

(A) a आनी c (B) a आनी b (C) b आनी c (D) d आनी a

29. हांतलें खंयचें उतर शुद्धलेखनाच्या नदरेन बरोबर आसा?

(A) इतिहासिक (B) ईतिहासिक (C) इतीहासीक (D) इतिहासीक

30. मंगळुरांत पाद्री आंजेल माफैय हाणें केल्ल्या वावराक आनी दिल्ले स्फुर्तीक लागून

(A) गोंयातले जायते लोक मंगळुरांत वचपाक भायर सल्ले.

(B) मंगळुरांत नाना तरेच्या चळवळींक हुंवार आयलो.

(C) थंय 'कोंकणी रानांतलो सोबीत सुंदर ताळो' गाजूंक लागलो.

(D) देवळां आनी इगर्जेमुखार बायलो धालो आनी फुगड्यो घालूंक लागल्यो.

31. कविता आनी नाटक ह्या दोन्य साहित्य प्रकारांत बरोवप करपी हांतले कोण?

(a) चा.फ्रा. द कोश्ता आनी र.वि. पंडित

(b) चा.फ्रा. द कोश्ता आनी उदय भेंब्रे

(c) पुंडलीक नायक आनी चा.फ्रा. द कोश्ता

(d) दिलीप बोरकार आनी भरत नायक.

(A) b आनी c (B) a आनी c (C) a आनी d (D) c आनी d

32. 'पंचारती' ह्या उतराचो समास खंयचो?

(A) तत्पुरुश समास (B) द्विगु समास (C) बहुव्रिही समास (D) कर्मधारय समास

33. प्रभाकर तेंडुलकार हांणी खंयच्या नेमाळ्याचें संपादन केलां.

(A) नवें गोंय (B) पुनव (C) गोंयकार (D) मित्र

34. ह्या घडणुकांचो खंयचो विकासक्रम सारको?

(A) चित्रपट, दूरदर्शन, आकाशवाणी, पत्रकारिता

(B) आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्रकारिता, चित्रपट

(C) आकाशवाणी, चित्रपट, दूरदर्शन, पत्रकारिता

(D) पत्रकारिता, आकाशवाणी, चित्रपट, दूरदर्शन

35. ह्या तियात्रांच्या माचयेवेल्या खेळांचो योग्य क्रम सांगात

(A) 'कावेलची सुंदरी, गरीब शेजारी, दिवोर्स, आपोवणें'

(B) 'गरीब शेजारी, कावेलची सुंदरी, आपोवणें, दिवोर्स'

(C) 'दिवोर्स, गरीब शेजारी, कावेलची सुंदरी, आपोवणें'

(D) 'आपोवणें, दिवोर्स, कावेलची सुंदरी, गरीब शेजारी'

36. आदल्या काळार इगर्ज तियात्राकडेन दुबावान आनी रागान पळयताली.

(A) थंय पाद्रींक माचयेर वांटो घेवपाक येनाशिल्लो देखून

(B) तियात्राच्या माचयेर इगर्जेची फकाणां जाताली देखून

(C) समाजाची धार्मीक भावना आनी मत्तां तियात्रांतल्यान दुखताली देखून

(D) इगर्जेक तियात्राची सेन्सॉरशीप जाय आशिल्ली देखून

37. ह्या साहित्य कृतींचो फावो तो क्रम सांगात

(A) पाखलो, भज गोविंदम, आयज रे धोलार पडली बडी, पिंपळ पेटलां

(B) भज गोविंदम्, आयज रे धोलार पडली बडी, पिंपळ पेटला, पाखलो

(C) पाखलो, आयज रे धोलार पडली बडी, भज गोविंदम, पिंपळ पेटला

(D) आयज रे धोलार पडली बडी, भज गोविंदम, पाखलो, पिंपळ पेटला

38. ह्या नेमाळ्यांचो उजवाडावणेच्या बर्साप्रणाम क्रम लायात

(A) जाग, गोमंत भारती, ओ कोंकणी, आमचो संवसार

(B) आमचो संवसार, गोमंत भारती, ओ कोंकणी, जाग

(C) ओ कोंकणी, आमचो संवसार, गोमंत भारती, जाग

(D) गोमंत भारती, जाग, ओ कोंकणी, आमचो संवसार

39. लोकवेदाचो प्रकार आनी सुवात हांची फावो ती जोडी वेंचात.

(A) रणमाले आनी जागोर –शिवोले

(B) घोडेमोडणी आनी टक्याची जात्रा –दिवचल

(C) रणमाले आनी शिशारान्नी – काणकोण

(D) धालो आनी बनवड – पणजे

40. कविता आनी तांचो फावो तो विशय वेंचात

(A) भाटकारालो सत्यानारायण – धार्मीक

(B) पांयजणां – मोगाची कविता

(C) गणराज्य – भक्तीकाव्य

(D) सावुलगोरी – विडंबन काव्य

हो उतारो वाचून, सकयल दिल्ल्या प्रस्नांच्यो जापो दिवच्यो :

मनशाचें जीवन अनेक संस्कारांनी भरिल्ले आसता. आमच्या हस्तकीं असंख्य करण्यो जायत आसतात. चोवीस वरांतल्योच करण्यो स्थूळ मानान पळेवंक गेल्यार कितल्यो तरी दिसतल्यो आनी तरेक तरांची सपनां, रागद्वेस, मान–अपमान, सुख–दु:ख अशे अनंत प्रकार आमकां दिसून येतले. ह्या सगळ्यांचे मनार संस्कार जायत आसतात. म्हणून जीवन म्हणचे कितें अशे जर कोणय विचारीत जाल्यार जीवन म्हळ्यार संस्कारांचो संचय अशी व्याख्या हांव करीन.

बरे संस्कार तशे वायट संस्कार दोगाचोय मनशाच्या जीवनाचेर परिणाम जाल्लो आसता. भुरगेपणाच्या करण्याँचें तर स्मरणच ना. पूर्वजल्मांतले संस्कार तर सामकेच मुदलांत पुशिल्लेवरी जातात. इतले कीं पूर्वजल्म आशिल्लो काय ना हाजोपसून दुबाव येवं येता. ह्या जल्मांतल्या भुरगेपणाची याद जायना तर मागीर पूर्वजल्मांतली खबर कित्याक? पूर्वजल्म आसूं. ह्याच जल्माचो विचार करूं या. आपणाल्यो जितल्यो करण्यो लक्षांत उरतात तितल्योच घडल्यो अशें ना. जायत्यो करण्यो आनी जायती ज्ञानां जायत आसतात. पुण ह्यो करण्यो आनी ही ज्ञानां मरून अंती कांय संस्कार तितले उरतात. ज्यो करण्यो अदीक स्पश्ट आसतात त्योच दोळ्यांर येतात. स्पश्ट गजालींचे संस्कार मनार नेटान उदेतात. मुख्य करण्यो आठवतात, उरिल्ल्यो फिकट जातात. असंख्य करण्यो आनी अनंत ज्ञानां जावनय अंती मनाकडेन भौच थोडी बाकी सापड्टा. थोड्यो थळीक गजाली लक्षांत उरतात. धा, पांच दृढ संस्कार कितें ते शिलकेक उरतात. हे संस्कार म्हळ्यार आमगेली पुंजी. जीवनाचो वेपार करून ही संस्काराची जोड कितें ती मेळ्ळी.

अनेक संस्कारांची बेरीज वजाबाकी जायत जायत अत्यंत सुटसुटीत आनी आटापशीर अशें थोडें शिल्लक उरता. जीवनाचो अखेरचो खिण आयलो म्हणटकच आत्मो जीवनाच्या शिलकेची याद करूक लागता. जिणेंत संस्काराचें अनेक आंकडे वचून अखेरेक बळिश्ठ असो एक संस्कार साररूपान उरता. जिणेच्या उदाहरणाचें ते उत्तर. अंतकाळची याद हे सगळ्या जिणेचें फळीत. मरणाच्या वेळार जो संस्कार उदेवचो अशी इत्सा आसत ताका अणसरून सगळ्या जिणेचो वोग फिरयात.

41. मनशाच्या जिविताची व्याख्या कशी केल्या?

(A) जिवित म्हळ्यार संस्कारांचो संचय

(B) जिवित म्हळ्यार अंतरकर्णाचें दर्शन

(C) जिवित म्हळ्यार चोवीस वरांच्यो करण्यो

(D) अनेक तरांची सपना म्हळ्यार जिवित

42. मनशाच्या जिविताचेर कित्याचे परिणाम जाल्ले आसतात

(A) दुसऱ्यांच्या वागणुकीचे

(B) बऱ्या आनी वायट संस्कारांचे

(C) वाचनाचे

(D) स्मरणाचे

43. बरोवप्याक मनशाच्या पूर्वजल्माविशीं किदें दिसता?

(A) पूर्व जल्माचेर विस्वास दवरुचों न्हय

(B) भुरगेपणाच्या करण्यांचे स्मरणच नाका

(C) पूर्वजल्मांत आमच्या हस्तकीं असंख्य करण्यो जायत आसतात.

(D) ताका पूर्वजल्म आशिल्लो काय ना हाचोपासून दुबाव येता

44. जिविताच्या अखेरच्या खिणाक आत्मो किदें करतां?

(A) आत्मो जीवनाच्या शिलकेची याद करूंक लागता

(B) जल्मभराच्या गजालींची याद काडटा

(C) जीणेच्या केल्ल्या कमायेचो हिशोब घाला

(D) निमाणच्यो उलाढाली करुंक लागता

45. 'म्हत्त्वाच्यो गजाली' हाचे विशीं खंयचें उतर हांगां आयलां

(A) स्पश्ट गजाली (B) थळीक गजाली (C) बळिश्ठ संस्कार (D) दृढ संस्कार

46. ह्या उताऱ्याक हातलें खंयचें शीर्शक फावो जातलें?

(A) संस्कारांचो संचय (B) जिवित एक संस्कार

(C) संस्कारित जीण (D) जीणेची जोड

47. वेलो उतारो खंयच्या विशयाचेर आदांरून बरयला?

(A) धार्मीक मूल्यांचेर आदारुन (B) नैतीक मूल्यांचेर आदारुन

(C) सामाजीक मूल्यांचेर आदारुन (D) जीवन मूल्यांचेर आदारुन

48. हांतली खंयची पुस्तकां प्रकाश पाडगांवकारान बरयल्यात?

(A) निळें निळें ब्रह्म, उजवाडाचे सूर, वास्कोयन

(B) हांव एक अश्वत्थामो, वास्कोयन, उजवाडाची पावलां

(C) उजवाडाचो रूख, वंशकुळाचें देणें, मन वोडटा वोडना

(D) एका झाडाक घर जाय, मान्नी पुनव, उजवाडाची पावलां

49. हांतली खंयची साहित्य कृती कोंकणीच्या खंयच्या तीन लिपयेंतल्यान उजवाडून आयल्या?

(A) अस्तमतेर – स्वामी सुप्रिय – नागरी, कानडी, रोमी

(B) आकांत – नंदिनी – नागरी, मल्याकम्, रोमी

(C) कोशेदान केल्ली खून – एडवीन डी सौझा – मल्याळी, रोमी, नागरी

(D) मोगाच्यो कथा – जे.सी. विएगश – नागरी, रोमी, कानडी

50. भुरग्यां खातीर होमेने हांणें बरयिल्लो शब्दकोश खंयच्या वर्सा उजवाडून आयलो?

(A) 1873 (B) 1763 (C) 1663 (D) 1953

- o O o -

Space For Rough Work